प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉंग इन करें https://dainikyashonnati.com

एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 101 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी मंगलवार 08 अगस्त 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

सर्वोत्तम कृषक/ कृषक समूह पुरुस्कार हेतु 31 अगस्त आवेदन आमंत्रित

सिवनी यशोः- उपसंचालक सह परियोजना संचालक आत्मा समिति किसान कल्याण तथा कृषि विकास सिवनी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के तत्वाधान में कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा योजनांतर्गत विभिन्न श्रेणी कृषि, मत्स्य, पषुपालन, कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं रेशम पालन के पुरस्कार हेतु कृषकों/ कृषक समूहों का चयन किया जाना हैं। पुरस्कार के चयन के लिए वर्ष 2022-23 (रबी/खरीफ) में कृषकों द्वारा अपनाई गई तकनिकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर किसानों का चयन किया जायेगा। विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिये प्रत्येक विकासखण्ड से चयनित पांच कृषकों (अलग-अलग संकायों में) को दस हजार रूपये की राशि प्रदान की जायेगी। 10 जिलास्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार (अलग-अलग संकायों में) के लिये 25 हजार रू. प्रदाय किये जायेगें। जिलास्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के लिये 20 हजार रू. पांच समूहों को प्रदाय किये जायेगें।

इच्छुक कृषक पुरस्कार हेतु 31 अगस्त 2023 तक अपने संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/ ब्लॉक टै नॉलोजी मैनेजर आत्मा, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, पषुपालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग से आवेदन पत्र प्राप्त कर उनके मार्गदर्शन में आवेदन भरकर जमा कर सकते हैं। सर्वोत्तम कृषक का चयन 15 सितंबर 23 तक समिति द्वारा किया जायेगा। संबंधित विभाग के अधिकारीयों के माध्यम से कृषकों के आवेदन पत्र जिलास्तर पर चयन हेतु प्रस्तुत किये जायेगें। पूरे प्रदेश में चयनित कृषकों को 26 जनवरी 2024 को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। नोट- विगत वर्षो में पुरस्कार हेतु चयनित कृषकों को आगामी 7 वर्षो तक चयन प्रक्रिया में स मिलित नही किया जायेगा।

ग्राम पंचायतो की विकास योजनाएँ भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी

सिवनी यशोः- जिले की ग्राम पंचायतो में भारी अनियमित्ताएँ और आर्थिक कदाचरण हो रहा है ।

ग्राम पंचायतो के भ्रष्टाचार पर ट्रेलर से नही प्रभावी कार्यवाही से लगेगी रोक

सिवनी जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी ने पिछले दिनों अपने जिले के प्रवास और निरिक्षण के दौरान यह सब देखा भी है और कुछ स्थानों पर प्रभावी कार्यकार्यवाही भी सुनिश्चित की है । अनियमित्ताएँ और आर्थिक कदाचरण ग्राम पंचायतो के कार्य पर निगरानी के लिये तैनात जनपद पंचायत का अमला पूरी तरह जि मेदार रहता है और अनेक मामले जनपद पंचायत में बैठकर जि मेदार अधिकारी दलालों के माध्यम से तय कर देते है और उन कामों के लिये ग्राम पंचायत के सचिव और सरपंच पर दबाव बनाया जाता है । ग्राम पंचायतों के माध्यम से होने वाले अधिकांश कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते है और ग्राम पंचायतो के माध्यम से शासकीय धन की होली खेली जाती है ।

जिले की अनेक ग्राम पंचायत ऐसी है जहाँ प्रामाणित रूप से शासकीय धन की लूट और दस्तावेजों में हेराफेरी की गयी है और कहीं कहीं तो कार्य कागजो पर ही हुये है जमीन पर कार्य हुये बिना ही लाखों रूपये भ्रष्ट सरपंच , सचिव और अधिकारी डकार चुके है । इसी प्रकार की ग्राम पंचायतो में सिवनी जनपद की ग्राम पंचायत कारीरात और जैतपुर है जहाँ सरपंचों की मनमर्जी से नियम कानूनों को ताक पर रखकर काम किये जा रहे है ।

सिवनी जनपद की ग्राम पंचायत कारीरात जहाँ पूर्व सरपंच द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार कागजी खानापूर्ति कर कार्य किये गये है इन कार्यो की जांच के लिये ग्राम पंचातय की निर्वाचित पंचायत समिति ने ग्राम सभा में सर्वस मति से प्रस्ताव पारित

कारीरात और जैतपुर ग्राम पंचायत भ्रष्टाचार की अजीब कहानी बनी हुई है

जाँच कराना सुनिश्चित किया था । ग्राम पंचायत में इस प्रकार प्रस्ताव आते ही ग्राम पंचायत से सारे दस्तावेज पूर्व सरपंच द्वारा चोरी करवा दिये गये । जिसकी पुलिस थाना लखनावाड़ा में रिपोर्ट भी दर्ज करायी गयी है परंतु आज दिनांक तक उस चोरी का पुलिस पता नहीं लगा पायी । यहां यह बता दें कि पूर्व सरपंच की पत्नी वर्तमान में सरपंच है और ग्राम पंचायत की चाबी इन्हीं के पास रहती है । जिस दिन ग्राम पंचायत में सर्वस मति से पूर्व सरपंच के कार्यो की जाँच का प्रस्ताव पारित हुआ उसी दिन ग्राम पंचायत से सारे दस्तावेज चोरी हो गये । जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी गयी है । बताते है कि ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यो के नाम पर बड़ी रकम का हेरफेर किया है जिसमें एक सचिव भी संलग्न था उस सचिव ने ग्राम पंचायत में बढते आक्रोश के कारण अपना स्थानांतरण करा लिया परंतु इनके काले कारनामें आज भी चीखचीखकर उनकी करतूतो की हकीकत बंया कर रही है ।

इसी प्रकार सिवनी जनपद की ग्राम पंचायत जैतपुर में वर्तमान सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत के पंचो, ग्राम सभा एवं सचिव की बिना जानकारी के मनमानी की जा रही हैऔर लाखों रूपये की शासकीय राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है । ग्रामीण वर्तमान सरपंच की कार्यप्रणाली से परेशान तो है ही यहां पदस्था सचिव भी सरपंच की मनमानी की शिकायते उच्चाधिकारियों से कर चुके है परंतु उच्च राजनैतिक और जनपद पंचायत के दलालों के कारण जैतपुर ग्राम पंचात में मनमानी हो रही है । गाम पंचायत में फर्जी बिलों के माध्यम से शासकीय राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सरपंच की बिना जानकारी के जनपद में बैठे दलालों ने जैतपुर ग्राम पंचायत के बिजली संबंधी कार्य किसी ठेकेदार को दे दिये जिसका ग्राम पंचायत में न तो कोई प्रस्ताव लिया गया और न ही इसकी जानकारी सचिव को दी गयी परंतु सरपंच दलालों द्वारा ग्राम पंचायत के बिजली के काम ठेकेदार को दिया गया उस बात से संतुष्ट है परंतु ग्राम पंचायत के पंचों को इसकी जानकारी नहीं है और न ही सचिव को । इसी प्रकार अनेक प्रकार के कार्य ऐसे हो रहे है जिससे ग्राम पंचायत के पंच और सचिव सहित ग्रामीण संतुष्ट नहीं है तथा सरपंच की मनमानी का रोना रो रहे है । ग्राम पंचायतो में चल रही इन मानमानियों पर जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी द्वारा `या कार्यवाही करते है इस पर ग्रामीणों की नजरे टिकी है ।

हर घर तिरंगा अभियान-2023 डाकघर में तिरंगा की बिक्री प्रारंभ

सिवनी यशोः- अधीक्षक डाकघर बालाघाट संभाग, बालाघाट से प्राप्त जानकारी के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव 2.0 के तहत %%हर घर तिरंगा%% अभियान-2023 इस वर्ष भी मनाया जायेगा। गत वर्ष की भांति आम नागरिको के ह्रदय में देशभक्ति के भाव लाने के लिये जागरूकता एवं स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में प्रत्येक नागरिक द्वारा मनाये जाने के प्रयोजन से हर घर तिरंगा अभियान 2023 मनाया जा रहा है। इसके लिये देश के 1.6 लाख डाकघरों से भी तिरंगे की बिक्री की जायेगी। सिवनी जिले के समस्त डाकघरों में 25/- रुपये की दर से तिरंगे की बिक्री प्रारंभ की गई है। आमजन अपने नजदीकी डाकघर में जाकर मात्र 25 रुपये में तिरंगा झण्डा खरीद सकते है।

मु यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत काशी - आयोध्या की यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

सिवनी यशोः- मु यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिला सिवनी के लिए काशी (वाराणासी) की तीर्थ यात्रा के लिए लिए 91 यात्रियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। यात्रा 18 से 21 अगस्त तक होगी, जो जिला बालाघाट से ट्रेन द्वारा प्रारंभ होगी। इच्छुक यात्री तहसील/ नगरपालिका/ जनपद पंचायत कार्यालय में स पर्क कर 7 अगस्त 23 तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

इसी तरह आयोध्या की तीर्थ यात्रा के लिए जिले को 92 यात्रियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। यात्रा यात्रा 24 से 27 अगस्त तक चलेगी, जो जिला छिंदवाड़ा से ट्रेन द्वारा प्रारंभ होगी। इच्छुक यात्री तहसील/ नगरपालिका/ जनपद पंचायत कार्यालय में स पर्क कर 13 अगस्त 23 तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

यात्रा हेतु आवेदक को आयु संबंधी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोटर आईडी एवं अन्य पहचान पत्र जो फोटो प्रमाणित कर सकें तथा समग्र आईडी आवेदन के साथ अनिवार्य संलग्न करना होगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

बरघाट यशोः- 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस समारोह के अवसर पर 9 अगस्त को जावरकाठी रोड आदिवासी मंगल भवन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया गया है कि आदिवासी समाज अधिकारी, कर्मचारी एकता समिति बरघाट, युवा आदिवासी समाज, मिशन मध्य भारत एवं सर्व आदिवासी समाज संगठन,व महिला मंडल के द्वारा 9 अगस्त सुबह 11:00 बजे बड़ा देव पूजन ,दोपहर 12:00 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं दोपहर 12:00 बजे सामाजिक चिंतन पर चर्चा किया जाएगा

समिति ने समस्त सगा समाज मातृशक्ति, पितृ शक्ति, वरिष्ठ बुद्धिजीवी, कर्मचारी, समाजसेवी ,जनप्रतिनिधि एवं समस्त आदिवासी सामाजिक संगठन को सादर आमंत्रित कर इस विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थिति की अपील की है।

रिसोर्स पर्सन हेतु 14 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

सिवनी यशोः- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन (पीएम एफएमई स्कीम) योजना के संशोधित दिशा निर्देशानुसार जिलास्तर पर लाभार्थियों को हैण्ड होल्डिंग सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूर्व में चयनित जिला रिसोर्स पर्सन के अतिरिक्त अन्य जिला रिसोर्स पर्सन (फेसिलिटेटर के रूप में) चयन किया जाना है। जिसके लिए न्यूनतम योग्यता खाद्य प्रौद्योगिकी (फूड टे नोलॉजी) में डिग्री/ डिप्लोमा/ कृषि में डिग्री के साथ ही खाद्य प्रोद्योगिकी तथा डीपीआर बनाने का अनुभव होना जरूरी है। इसके अतिरिक्त अन्य व्यक्ति जैसे रिटायर्ड शासकीय अधिकारी/ बैंक अधिकारी, कंसलटैंसी फर्म इत्यादि जिन्हे खाद्य प्रौद्यागिकी तथा डीपीआर बनाने का अनुभव हो, वे भी आवेदन करने के पात्र होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 23 है, इच्छुक व्यक्ति शैक्षणिक योग्तया के प्रमाण पत्र, स्वलिखित आवेदनमय दस्तावेज कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जिला सिवनी प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक ऑफ लाईन जमा कर सकते हैं। उक्त संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक संचालक उद्यान सिवनी से कार्यालयीन समय पर स पर्क किया जा सकता है।

''आशा की सजगता से बची प्रियांश की जान''सफल रही एचबीएनसी

सिवनी यशोः- मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने बताया कि सिवनी जिले में एचबीएनसी '' (होम बेस्ड न्यू बोर्न केयर) की लिए किए जा रहे कार्य धरातल में देखने को मिलने लगे है जिसका जीता जागता उदाहरण ग्राम पंचायत पुंगार विकासखंड केवलारी में रहने वाली जानकी पति गणेश के यहां का है। जानकी के यहां 25.6.2023 को लड़के का जन्म हुआ, प्रसव सामान्य था एवं जन्म के समय बच्चे का वजन 2 किलो था, बच्चा हाई रिस्क था इसलिए स्वास्थ्य केंद्र छिंदा में पदस्थ स्टाफ के द्वारा बच्चे को जिला चिकित्सालय रिफर किया गया, लेकिन माली हालत एवं घर में कार्य अधिक होने के कारण परिवार सिवनी न जाकर वापिस घर आ गया। यह बात जैसे ही आशा को

पता चला की जानकी घर आ गई तब आशा श्रीमती आशा कार्तिकेय के द्वारा जानकी के घर जाकर उसे बहुत समझाइश दी गई लेकिन परिवार वाले नही माने। तब आशा श्रीमती आशा कार्तिकेय के द्वारा निश्चय किया गया की चाहे जो भी हो वो जानकी के बच्चे के साथ गलत नही होने देगी। इसके पश्चात आशा के द्वारा एक सप्ताह तक लगातार गृह भ्रमण किया गया एवं प्रतिदिन बच्चे का वजन एवं तापमान लिया गया। पहले दिन की विजिट के दौरान बच्चे का वजन 1 किलो 800 ग्राम था, आशा लगातार एक सप्ताह तक जानकी के घर गई जिसका सुखद परिणाम ये रहा की बच्चे का वजन पुनः 2 किलो हो गया, इसके बाद आशा सप्ताह में 2 दिन जानकी के घर जाने लगी, आज दिनांक 06/07/2023 को बच्चे का वजन 3 किलो 200 ग्राम आया एवं बच्चा खतरे से बाहर आ गया।

उक्त पूरे मामले में आशा की कड़ी मेहनत एवं निष्ठा के चलते जानकी का बच्चा सुरक्षित है, आशा के द्वारा जानकी के यहां निर्धारित से कही अधिक विजिट की गई, बच्चे का नाम प्रियांश है जो की अब स्वस्थ है, आशा श्रीमती आशा कार्तिकेय ने बताया की इसके पहले भी जानकी के यहां पहला बच्चा डेढ़ किलो का था तब भी आशा के द्वारा निर्धारित से अधिक गृह विजिट कर उसके स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया था, आशा कार्तिकेय जैसी आशा के कारण ही समुदाय का विश्वास स्वास्थ्य विभाग के प्रति बना हुआ है। आशा ने बताया की हमारी सुपरवाइजर श्रीमती माधुरी तिवारी एवं बीसीएम श्री मंतोश नार्वेति सर का समय समय पर मार्गदर्शन एवं सहयोगात्मक सुपरविजन के कारण हम गुणवत्तापूर्ण एचबीएनसी कर पा रहे है।

डाक घर में सुविधाजनक रूप से खोला जा सकता है बैंक खाता लाड़ली बहना ले सकती हैं लाभ

सिवनी यशोः- अधीक्षक डाकघर बालाघाट संभाग द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा महिलाओं के स मान एवं समृद्धि को ध्यान में रखते हुये एवं उन्हें सशक्त बनाने हेतु ''लाड़ली बहना योजना'' को प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रू. के हिसाब से 02 किश्तें खातों में आ भी चुकी है। भारतीय डाक विभाग के माध्यम से भी, उक्त योजना के अंतर्गत पात्र महिला लाभार्थियों के डाकघरों में POSB/IPPB खातें खुलवाकर किश्तों का भुगतान किया गया है। भारतीय डाक विभाग अंतर्गत इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से बिना किसी भौतिक दस्तावेज के कुछ ही मिनटों में IPPB खाता खोला जा सकता है, इस हेतु मात्र आधार नंबर एवं उससे लिंक मोबाईल नंबर की आवश्यकता होती है एवं खाता खुलते से ही डीबीटी भी किया जा सकता है। इस हेतु प्रत्येक डाकघर स्तर/ग्राम पंचायत स्तर पर कै प लगाकर लाड़ली बहनों के खाते खोलने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के ही माध्यम से मात्र रू. 396/ 399 की अल्प प्रीमियम राशि में रू. 10 लाख तक का दुर्घटना बीमा किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दुर्घटना मृत्यु लाभ, आंशिक या पूर्ण विकलांगता पर लाभ, ओपीडी या आईपीडी व्यय भुगतान, दैनिक नगद लाभ, बाल शिक्षा सहायता एवं अन्य लाभ शामिल है। महिलायें भारतीय डाक विभाग के माध्यम से अधिक से अधिक इस योजना का लाभ उठा सकती हैं

इसके अलावा हॉस्पिटल कैश प्रोडे ट योजना, जीवन बीमा योजना, टर्म प्लान, 2 अथवा 4 पहिया वाहन बीमा, दुर्घटना बीमा, साधारण बीमा, प्रीमियम खाता, बाल आधार, आधार अपडेशन एवं एईपीएस आदि योजना भी चलायी जा रही है। अधिक जानकारी हेतु नजदीकी डाकघर/ डाकिया/ आईपीपीबी ब्रांच में संपर्क किया जा सकता है।

समग्र आई डी में नाम न जोड़ने पर समग्र प्रभारी का वेतन काटने के निर्देश

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में सोमवार 08 अगस्त को कले ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मु य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी पंवार नवजीवन विजय, अपर कले टर सीएल चनाप सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही साथ ही विकासखण्डस्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

समय सीमा बैठक

घोघरी में पेयजल समस्या का निराकरण नहीं, सीएमओ की अनुपस्थिती वेतन काटने के आदेश मतदाता सूची के नामो का सत्यापन करने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम कले टर श्री सिंघल ने जनसुनवाई में दर्ज प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की, समीक्षा के दौरान जनसुनवाई में दर्ज

लखनादौन विकासखण्ड के ग्राम घोघरी की पेयजल समस्या का निदान न किए जाने को लेकर कले टर श्री सिंघल ने कार्यपालन यंत्री पीएचई का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। सीएमओ सिवनी के बैठक में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर आगामी आदेश तक वेतन, समग्र आईडी में नाम जोड़ने को लेकर प्राप्त आवेदन पर कार्यवाही न करने को लेकर भी सिवनी नगर पालिका के समग्र प्रभारी का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसी तरह सीएमओ लखनादौन द्वारा क्रमोन्नति न दिए जाने की शिकायत पर कार्यवाही न करने को लेकर भी इनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

कले टर श्री सिंघल ने सीएम हेल्पलाईन दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए जिलेवार रैंकिंग तथा 50 दिवस की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। इसी तरह जन शिकायत, सीएम मॉनिट, माननीय सांसद एवं विधायकगणों सहित विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों पर नियमानुसार कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। उन्होंने 10 अगस्त को आयोजित होने वाले मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत हितलाभ वितरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वार्डस्तर पर व्यवस्थित रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया जाए साथ ही राज्यस्तरीय कार्यक्रम के प्रसारण को लाईव देखने व सुनने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कले टर श्री सिंघल ने बैठक में उपस्थित से टर अधिकारी के रूप में नियुक्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी उन्हें सौंपे गए से टर के दायित्वों का पूर्ण ग भीरता से पालन करें, प्रत्येक से टर अधिकारी 10 अगस्त अपने से टर के बूथ पहुंचकर मतदाता सूची का वाचन करने के साथ-साथ मतदाता सूची से काटे गए नामों का सत्यापन अवश्य करें। उन्होंने अधिकारियों को अपने निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्र की मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कले टर श्री सिंघल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आर ओ एवं एआरओ को भी मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा अपात्र का नाम काटा जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। मतदान केन्द्रस्तर पर पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार हो।

कले टर श्री सिंघल ने 'मेरी माटी मेरा देश' एवं 'हर घर तिरंगा अभियान' कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

सिवनी यशोः- सिवनी में शिव भक्त महादेव के मंदिरों में विशेष पूजन अर्चन कर रहे हैं। और सिद्धपीठ स्थलों में अनुष्ठान किये जा रहे हैं। सावन मास का सोमवार भगवान भोलेनाथ के भक्तों के लिए बेहद खास माना जाता है। इस दिन भोले के भक्त उनका जल अभिषेक, दूध अभिषेक और रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

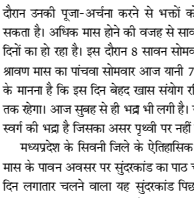

सावन का पवित्र महीना भगवान भोलेनाथ को अति प्रिय है। और इस दौरान उनकी पूजा-अर्चना करने से भक्तों को मनचाहा वरदान प्राप्त हो सकता है। अधिक मास होने की वजह से सावन का महीना इस साल 59 दिनों का हो रहा है। इस दौरान 8 सावन सोमवार पड़ेंगे।

श्रावण मास का पांचवा सोमवार आज यानी 7 अगस्त को है। वहीं पंडितों के मानना है कि इस दिन बेहद खास संयोग रवि योग बन रहा है। जो रात तक रहेगा। आज सुबह से ही भद्रा भी लगी है। जो शाम तक रहेगी, परंतु यह स्वर्ग की भद्रा है जिसका असर पृथ्वी पर नहीं पड़ेगा।

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के ऐतिहासिक प्राचीन मठ मंदिर मे सावन मास के पावन अवसर पर सुंदरकांड का पाठ चल रहा है। निरंतर रात और दिन लगातार चलने वाला यह सुंदरकांड पिछले कई ह तों से जारी है। परिसर पर विशालकाय नारियल से बनी हुई महादेव की मूर्ति जन आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

मठ मंदिर सहित महाकालेश्वर मंदिर बोरदई मे हर हर महादेव का नारा लगाते हुए भक्तगण महादेव के दर्शन के लिए दिनभर तांता लगा रहता है। आज शिव भगवान के मंदिरों में भोलेनाथ का विशेष पूजन हो रहा है।

जबरन नॉलेज

आधुनिक रेलवे स्टेशन की उ मीद पूरी होते देख खुश हो गए स्थानीय लोग

प्रधानमंत्री मोदी, रेल मंत्रालय, मु यमंत्री चौहान का जताया आभार

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 508 रेलवे स्टेशनों का चुनाव किया गया जिनमें मध्यप्रदेश के 21 जिलों के 34 रेलवे स्टेशन में शामिल है। इस योजना में अपने जिले के स्टेशन का नाम शामिल होते ही स्थानीय लोगों में हर्ष की लहर दौड़ गई। आधुनिक रेलवे स्टेशन मिलने की उ मीद अब पूरी होने जा रही है।

सागर के लघु व्यवसायी श्री देवी सिंह राजपूत इस बात से बेहद खुश हैं कि सागर जिले का रेलवे स्टेशन भी अब चमक जाएगा। यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। वे कहते हैं कि इस पहल की सागर जिले को बहुत जरूरत थी। इसके लिए हम प्रधानमंत्री श्री मोदी और मु यमंत्री श्री चौहान जी के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करते हैं। सागर के ही टेलरिंग मैटीरियल का व्यापार करने वाले श्री विजय कटारिया कहते हैं कि सागर एक बड़ा रेलवे जं शन है। यहाँ पर एक आधुनिक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता महसूस हो रही थी जो आज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूरी कर दी।

विदिशा जिले के सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनोज पंजवानी कहते हैं कि विदिशा और गंजबासौदा में आधुनिक सुविधाओं वाले रेलवे स्टेशन बनने का समाचार सुनते ही परिवार में सभी लोग खुश हुए और इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने बताया कि बड़ी सं या में विदिशा और गंजबासौदा जिले के काफी लोग भोपाल और इंदौर अप-डाउन करते हैं। विदिशा जिले में व्यापारिक गतिविधियों का और ज्यादा विस्तार होगा।

अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मुरारी सोनी का कहना है कि विदिशा हर प्रकार से एक सक्रिय जिला है। यह मेट्रो शहरों जैसा रूप लेता जा रहा है। विदिशा जिले के विस्तार को देखते हुए एक आधुनिक रेलवे स्टेशन की कमी अब जल्दी पूरी होगी। बैतूल के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री नवनीत गर्ग जिले के रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के सरकार के निर्णय से खुश हैं। वे कहते हैं अब बैतूल स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाएँ मिल सकेंगी। जिससे यात्रियों को और ज्यादा सुविधाएं मिलेगी। यह शहर के विकास में एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसके लिए श्री गर्ग ने बैतूल के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं रेल मंत्रालय और मु यमंत्री का आभार व्यक्त किया। बैतूल के ही श्री नीरज साहू बताते हैं कि रेलवे स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हो जाएंगी।

भोपाल में संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास पर पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर के अध्यक्ष श्री साधूमल रीझवानी कहते हैं कि स्टेशन के विकास से ही संत नगर का नाम रोशन होगा। व्यापार और रोजगार में बढ़ोतरी होगी तथा पर्यटकों का भी ज्यादा से ज्यादा आगमन हो सकेगा। जीव सेवा संस्थान के ट्रस्टी श्री हीरो ज्ञानचंदानी का मानना है कि संत हिरदाराम नगर स्टेशन का कायाकल्प होना शहर के लिए सौगात है। इससे जहाँ पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा और व्यापारी भाईयों को भी बहुत मदद मिलेगी। रेल सुविधा संघर्ष समिति संत हिरदाराम नगर के अध्यक्ष श्री परसराम आसवानी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संत हिरदाराम नगर स्टेशन का विकास होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

टुकडे टुकडे पाकिस्तान भाग - 4

- प्रशांत पोळ

पाकिस्तान बनने का मूलाधार रही मुस्लिम लीग, पाकिस्तान बनने के बाद से ही बिखरने लगी. 1949 में ढाका में, मुस्लिम लीग से टूट कर एक समूह ने 'ऑल पाकिस्तान अवामी मुस्लिम लीग' बनाई. इस समूह में सारे बंगाली थे. उनमें से प्रमुख थे, अब्दुल हमीद खान भाशानी, यार मोह मद खान, शमशूल हक आदि. बाद में इस ग्रुप में शामिल हुए, 'डायरे ट ऐ शन डे' के सूत्रधार, हुसैन शहीद सुहरावर्दी. यह पार्टी प्रमुखता से मुस्लिम लीग का बंगाली अवतार थी.

इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बंगाल राज्य में, बांग्ला भाषा के लिए आंदोलन सुलगना प्रारंभ हुआ था. ढाका विश्वविद्यालय में शेख मुजीबुर रहमान ने 'ईस्ट पाकिस्तान मुस्लिम स्टूडेंट्स लीग' बनाई थी. वह उभरते छात्र नेता थे. पश्चिम पाकिस्तान की मुस्लिम लीग, पूर्व बंगाल में उर्दू की स ती करने की बात कर रही थी. उस मुस्लिम लीग के विरोध में, सभी राजनीतिक दलों की छात्र विंग ने, पूर्वी बंगाल में 11 मार्च 1948 को जबरदस्त आंदोलन (स्ट्राइक) किया. मुजीबुर रहमान और अन्य छात्र नेताओं को गिर तार किया गया. किंतु छात्र आंदोलन के दबाव के कारण दिनांक 15 मार्च को इस सब को छोड़ देना पड़ा. 21 मार्च 1948 को कायदे आजम जीना ने पूर्व बंगाल वालों से उर्दू अपनाने के लिए कहा. उसका जबरदस्त विरोध हुआ. ढाका विश्वविद्यालय यह आंदोलन का केंद्र बना और पुनः 11 सितंबर 1948 को मुजीबुर रहमान समवेत इतर छात्र नेता गिर तार किए गए. यह गिर तारी कुछ लंबी खींची. 21 जनवरी 1949 को वे रिहा हुए.

शेख मुजीबुर रहमान अब बंगाली मुस्लिम छात्रों का चेहरा बनने जा रहे थे. मुस्लिम लीग से उनके तीव्र मतभेद होने लगे. इसलिए 23 जून 1949 को वह मुस्लिम लीग से टूटकर बनी पार्टी 'ईस्ट बंगाल अवामी मुस्लिम लीग' में शामिल हो गए, वह लगातार होते आंदोलनों के मु य स्वर थे. उनकी पार्टी बाद में 'अवामी मुस्लिम लीग' बनी जिसके वे राष्ट्रीय महामंत्री रहे. (कुछ वर्षों के बाद, पूर्वी बंगाल के हिन्दू वोटरों की बड़ी सं या को देखते हुए, पार्टी के नाम से 'मुस्लिम' यह शब्द हटा लिया गया. पाकिस्तान से, पूर्व पाकिस्तान के टूटने तक पार्टी का नाम 'अवामी लीग' रहा.) पूर्व बंगाल की राजनीति में और बंगाली पहचान के लिए चल रहे आंदोलन के प्रमुख नेता के रूप में वह सामने आ रहे थे.

1954 में उन्होंने अवामी लीग की टिकट पर पहली बार पूर्व बंगाल विधानसभा का चुनाव लड़ा. गोपालगंज से उन्होंने तेरह हजार से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की. बाद में 1958 में सेना का शासन आने के कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र की समाप्ति हुई. किंतु मुजीबुर रहमान, बंगाली पहचान बचाने के लिए, फिर भी कराची की सरकार से लड़ते भिड़ते रहे.

साठ का दशक पाकिस्तान के लिए भारी उथल-पुथल वाला था. जनरल अयूब खान के नेतृत्व में सेना, शासन-प्रशासन चला रही थी. लेकिन 1965 में भारत के साथ हुए युद्ध में पाकिस्तान की करारी हार हुई. इस हार से पाकिस्तान के कई समीकरण बदले. पूर्वी पाकिस्तान के शेख मुजीबुर रहमान, प्रभावी विपक्षी नेता के रूप में देश में उभरे. ताशकंद समझौते के बाद पाकिस्तान के सभी नेताओं की एक संयुक्त बैठक 6 फरवरी 1966 को लाहौर में रखी गई. इस बैठक में मुजीबुर रहमान ने छह सूत्रीय कार्यक्रम रखा, जिसके अंतर्गत देश में लोकतंत्र की बहाली और पूर्व पाकिस्तान में बंगाली पहचान की रक्षा के सूत्र थे. किंतु पाकिस्तान के सैन्य शासन ने और पंजाबी नेताओं ने इस प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया. शेख मुजीबुर रहमान को अलगाववादी कहा गया. बाद में 21 फरवरी को ढाका में अवामी लीग की बैठक में इस छह सूत्रीय कार्यक्रम को सर्वस मति से स्वीकार किया गया.

पूर्वी पाकिस्तान, अर्थात पूर्वी बंगाल में असंतोष बढ़ता ही जा रहा था. पाकिस्तान की आय का मु य स्त्रोत पूर्वी पाकिस्तान से आता था. वहां के जूट की निर्यात यह पाकिस्तान के अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा थी. किंतु इसके बदले में उन्हें या मिल रहा था? पूरे देश की लगभग आधी आबादी वाले पूर्वी पाकिस्तान के साथ, अर्थात वहां के बांग्ला नागरिकों के साथ, पश्चिमी पाकिस्तान के नेता सौतेला व्यवहार कर रहे थे. जो कुछ थोड़ा बहुत विकास पाकिस्तान में हो रहा था, वह सारा पंजाब और सिंध तक सिमटा था. पूर्व बंगाल के खाते में नगण्य हिस्सा आता था.

वर्ष 1965 से 1970 के बीच पश्चिम पाकिस्तान पर खर्च की गई रकम थी 11,334 करोड़ पाकिस्तानी रुपए. पाकिस्तान के कुल खर्चे का यह 71.16 प्रतिशत था. इसी समयावधी में पूर्व पाकिस्तान पर खर्च हुई रकम थी, 4593 करोड़ पाकिस्तानी रुपए. कुल खर्चे का यह मात्र 28.84 प्रतिशत था. पश्चिमी पाकिस्तानी नेताओं की इस भेदभाव वाली नीति के विरोध में पूर्व पाकिस्तान में जनता का आक्रोश उबलने लगा था. लगभग सारा पूर्व बंगाल, अवामी लीग और उसके नेता शेख मुजीबुर रहमान के पीछे खड़े होने लगा.

पाकिस्तान की सेना में 1965 का युद्ध हारने से बेचैनी बढ़ी थी. इसका परिणाम हुआ, अयूब खान के जाने में. सत्ता अभी भी सेना के ही हाथों में थी. लेकिन अब उसकी कमान थी, जनरल याह्या खान के हाथों में. इधर विश्व के लोकतांत्रिक देशों द्वारा पाकिस्तान पर लोकतंत्र की बहाली करने का दबाव बन रहा था. इसलिए याह्या खान ने चुनाव कराने का निर्णय लिया. पाकिस्तान बनने के बाद शायद यह पहला प्रत्यक्ष और लोकतांत्रिक चुनाव था. पश्चिमी पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो, नेता के रूप में उभर रहे थे. उन्हें याह्या खान का पूरा समर्थन था. पाकिस्तानी सेना को लग रहा था, चुनाव के बाद सत्ता भुट्टो के हाथों में आएगी, जो सेना की कठपुतली से ज्यादा कुछ नहीं है.

इस चुनाव में पश्चिमी पाकिस्तान की 'पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी' (ppp) और पूर्व पाकिस्तान की अवामी लीग के बीच संघर्ष था. चुनाव के परिणामों ने पाकिस्तान का इतिहास और भूगोल दोनों बदल दिए. नेशनल असेंबली की कुल 313 सीटें थी, जिनमें से 300 सीटों पर चुनाव हुए. शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 167 सीटों पर विजय प्राप्त की. बहुमत से भी 16 सीटें ज्यादा इस अकेली पार्टी के पास थी. भुट्टों की पार्टी को 86 सीटों पर जीत मिली. जिस मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान बनवाया था, उस जीना और लियाकत अली खान की मुस्लिम लीग को, पूरे पाकिस्तान में मात्र 9 सीटें मिली..!

पश्चिमी पाकिस्तानी नेताओं के लिए शायद यह अपेक्षाशित था. पूर्व बंगाल की जनता एकजुट होकर पूरे पाकिस्तान पर राज करने की स्थिति में आएगी, इसकी कल्पना उन्हें नहीं थी. पूर्व बंगाल की 169 में से 167 सीटों पर आवामी लीग ने जीत का परचम लहराया था.

यह तो गजब हो गया था. जिस पूर्व बंगाल को निचले दर्जे का माना गया था, वही बंगाली अब हम पर राज करेंगे..? पश्चिमी पाकिस्तान के सारे नेता एक हो गए और उन्होंने बंगाल की पार्टी के नेतृत्व में काम करने से मना कर दिया. याह्या खान को यही चाहिए था. उसने पाकिस्तान के पहले लोकतांत्रिक पद्धति से हुए प्रत्यक्ष चुनाव को ही रद्द कर दिया.

(क्रमशः)

निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता और निश्चित समय सीमा में पूरे हों - राज्यपाल

प्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सौगात के लिए राज्यपाल ने प्रधानमंत्री का आभार माना

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आभासी माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास शिलान्यास के स्थानीय कार्यक्रम में आज शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन संत हिरदा राम नगर भोपाल में किया गया था। स्थानीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना शिलान्यास कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री के द्वारा आभासी माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के पुनर्विकास कार्यों का रिमोट का बटन दबा कर शिलान्यास किया गया। ऑनलाईन संबोधित किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्थानीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आम-जन को रेलवे के कायाकल्प की छप्पर फाड़ सौगात दी है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में यह पहला प्रसंग है, जिसमें 25 हजार करोड़ रूपये के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के कार्यों का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्यप्रदेश के 34 रेलवे स्टेशनों के शिलान्यास किये जाने के लिए मध्यप्रदेश की समस्त जनता के प्रतिनिधि के रूप में प्रधानमंत्री जी का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत समस्त कार्य उच्च गुणवत्ता और निश्चित समय सीमा में पूरे किए जाये। अमृत भारत स्टेशन योजना में चयनित स्टेशनों के भवन सुधार और सौंदर्यीकरण में स्थानीय कला तथा संस्कृति के तत्वों का समावेश किया जाना चाहिए। पैदल पथ, पार्किंग तथा सुगम यातायात की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही, यात्रियों की सुविधाओं की सतत निगरानी के प्रबंध अवश्य किए जाने चाहिए। रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगों के लिए विशेष शौचालय, रै प इत्यादि के साथ ही उनके उचित देख भाल की व्यवस्था की जाए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने एक के बाद एक ऐतिहासिक निर्णयों से बड़े बदलाव किए है। देश की विकास यात्रा को नई गति और दिशा दी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकप्रिय और विश्व के अद्वितीय राजनेता के रूप में उनकी दुनिया में विशिष्ट पहचान बनी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने-20 की अध्यक्षता में वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि मोदी जी के नेतृत्व में सरकार हर भारतीय परिवार के कल्याण और संतुष्टि के लिए कार्य कर रही है, यही कारण है कि आज सामान्य भारतीय परिवार की सवारी भारतीय रेल दुनिया का श्रेष्ठ रेल नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश के 11 राज्यों में रेलवे ट्रेक का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो गया है, 6 हजार रेलवे स्टेशन वाई-फाई हैं। तकनीक का प्रयोग कर शिकायतों का निराकरण करने के साथ ही, रेल यात्री सुविधा को मेड इन इंडिया कवच प्रणाली से लैस किया है। वन स्टेशन-वन प्रोडे ट योजना से देश में कारीगरों के कपड़े, कलाकृतियों, पेंटिंग्स, वर्तन इत्यादि के 600 से अधिक आउटलेट रेलवे स्टेशन पर खोल कर, लाखों लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

स्थानीय कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आम आदमी की बहुत चिंता करते है। उनकी जरूरतों को पूरा करने के कार्य अभूतपूर्व गति से हो रहे है। भोपाल की व्यापारिक गतिविधियों के केन्द्रीय स्थल के रेलवे स्टेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की सौगात के लिए आभार ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की सरकार ने जनभावनाओं का स मान करते हुए, रेलवे स्टेशन का नाम संत हिरदा राम नगर किया है। रेलवे स्टेशन को रतलाम डिवीजन से हटा कर भोपाल डिवीजन में शामिल करा दिया गया है।

पश्चिम मध्य रेलवे के महा प्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के कार्यों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत देश भर के 5 सौ आठ रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों का शिलान्यास किया जा रहा है। आभार प्रदर्शन अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्रीमती रश्मि दिवाकर ने किया।

छाता सुधारने वाली दुर्गा बाई को मु यमंत्री ने दी 50 हजार की सहायता

भोपाल। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज विदिशा के रेलवे स्टेशन माधवगंज पर इंदौरी पान भंडार की दुकान पहुँचे। दुकान के समीप लुंहागी मोहल्ला निवासी श्रीमती दुर्गाबाई वंशकार छाता मर मत का कार्य कर रही थी। मु यमंत्री श्री चौहान ने उन्हें देखते ही उनके पास पहुँचे। मु यमंत्री ने दुर्गाबाई से उनका हाल-चाल पूछा। श्रीमती दुर्गाबाई वंशकार ने अपनी जीविका उपार्जन की पीड़ा मु यमंत्री को बताई। मु यमंत्री श्री चौहान ने श्रीमती दुर्गाबाई वंशकार को स्वेच्छानिधि से रोजगार के लिए 50 हजार रूपये की अनुदान सहायता राशि तत्काल देने के निर्देश दिए।

मु यमंत्री के निर्देश का पालन करते हुए कले टर श्री उमाशंकर भार्गव ने पचास हजार रूपये का चेक श्रीमती दुर्गाबाई पति श्री मुकेश वंशकार को सौंपा। दुर्गाबाई ने मु यमंत्री को बताया कि लाड़ली बहना के 1000 रूपये मिल रहे है। पहले 600 रूपये पेंशन मिलती थी अब 1000 रूपये मिल रहे हैं।

भोपाल में सामने आई 'केरल स्टोरी', इस्लाम अपनाने के लिए बनाया दबाव, रूममेट हिजाब पहनने को कहती, हामिद से कराई छेड़छाड़

अनम सैयद कहती थी कि तुम नि न वर्ग की हो और हिंदू नहीं हो। हमारे मजहब में आ जाओ। तु हें मुसलमान बनना चाहिए। इसके बाद तु हें स मान मिलेगा। कुरान छूने का मौका मिलेगा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देश में न जाने कितनी केरल स्टोरी हैं, हर बार पात्र बदलते हैं, कहानी में थोड़ा परिवर्तन आता है, किंतु जो नहीं बदलता है, वह है कन्वर्जन के लिए बनाया जाने वाला षड्यंत्र और उसके लिए किए जाने वाले अलग-अलग प्रयोग। केरल स्टोरी जब आई थी तो उसका बड़े स्तर पर विरोध हुआ था, इस्लामिक चरमपंथियों ने इसे अपने विरोध में बताया और से युलरिज्म की बात करने वालों ने इसे लेकर तमाम तरह के प्रश्न खड़े किए थे, लेकिन हकीकत को नकारा नहीं जा सकता है। यह केरल स्टोरी कुछ कहानियों तक सीमित नहीं बल्कि हो सकता है कि आप जहां रहते हैं आपके आसपास भी इस समय भी घटना घट रही हो। मध्यप्रदेश में ऐसा ही एक मामला सामने आया है।

मध्य प्रदेश के भोपाल में आए मामले में केरल स्टोरी की तरह शिकार हुई एक लड़की पुलिस के पास पहुंची और उसने अपना दर्द बयां किया। पूरा मामला यह है कि रूममेट युवती ने छात्रा पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाया। उसने अपने साथी को रूम पर बुलाकर छात्रा के साथ छेड़खानी करवाई। छात्रा के विरोध करने पर उसे बंधक बनाया गया। बाद में पुलिस ने छात्रा को युवती के चंगुल से छुड़ाकर सुरक्षित उसके घर विदा किया।

मामला जुलाई महीने का है, लेकिन इसमें एफआईआर अब दर्ज हो सकी है। कन्वर्जन की शिकार बनाई जा रही पीड़िता युवती का कहना है कि वह मूल रूप से बालाघाट की रहने वाली है। पीड़िता पशुधन पत्रोपाधि महाविद्यालय में अध्यनरत है। चार महीने पहले भोपाल में रहते हुए उसकी जान पहचान अनम सैयद से हुई। अनम भोपाल के नारियलखेड़ा

पीपल चौराहा पर किराए के मकान में रहती थी। उसने मुझे भी वहां किराए का मकान दिलाने के लिए कहा। इसके साथ ही उसने कहा कि तुम अकेली रहती हो तो यहां परेशान मत होओ, मेरे साथ ही रह लेना। उस वक्त अनम का व्यवहार इतना अच्छा रहा कि समझ ही नहीं आया कि वह किसी षड्यंत्र का शिकार होने जा रही है, वह अकेली रहती थी, इस कारण मैं उसके साथ रहने के लिए तैयार हो गई। तब पुष्पालन अस्पताल में उसकी ड्यूटी लगाई गई थी। जहां यह देखने जाना होता था कि कैसे पशुओं का इलाज किया जाता है।

पीड़ित छात्रा ने बताया कि शुरुआत में अनम सैयद का व्यवहार ठीक रहा, लेकिन कुछ दिन बाद ही उसने तरह-तरह से प्रयोग करते हुए इस्लाम की ओर मोड़ना शुरू किया। यह एक तरह का माइंडवॉश करने का प्रयास था। वह हिजाब पहनने, नमाज पढ़ने के लिए प्रेरित करने लगी। कहती थी कि जैसे वह नमाज पढ़ती है और अजान होती है तो वह भी अपने सिर पर हाथ फेरे।

मना करने पर कहती यह है गंगा जमुना संस्कृति

अनम सैयद बताती थी कि कैसे करना है। मना करती तो वह कहती थी कि यह तो साझा गंगा जमुना संस्कृति है, हिंदू-मुस्लिम भाई-भाई हैं। अनम पहले तो यह कहती थी कि तुम अपने धर्म की भी पूजा कर सकती हो, लेकिन बाद में वह दबाव डालते हुए कहने लगी कि यह सब यहां नहीं चलेगा। अनम सैयद कहती कि तुम नि न वर्ग की हो और हिंदू नहीं हो। हमारे धर्म में आ जाओ। तु हें मुसलमान बनना चाहिए। इसके बाद तु हें स मान मिलेगा। कुरान छूने का मौका मिलेगा।

अनम के यहां आता था हामिद मियां, की छेड़छाड़

यही नहीं इस अनम सैयद ने अश्लील बातें करना भी शुरू कर दिया और इसका वीडियो भी बना लिया। अनम के यहां ओ सर हामिद मियां नाम का युवक आता था। वह रात आठ बजे आता था और 11 बजे तक जाता था। रात में कई बार छात्रा को लगा कि कोई उसका शरीर छू रहा है। तो वह अचानक उठती थी, देखती थी कि हामिद और युवती अनम पास में बैठे हैं। पूछने पर वे उसे डांटते थे और हामिद कहता था कि वह उसके भाई के समान है। जबकि उसे शक है कि हामिद ने अनम के साथ मिलकर उसके शरीर को गलत नीयत से छुआ और छेड़छाड़ की। ऐसा उसके साथ दो बार हुआ।

ताला लगाकर कमरा बंद कर दिया

पीड़िता ने बताया कि अनम सैयद से जब कहा कि अब वह यहां नहीं रह सकती तो वह बोली कि वह उसे जहां की हो, वहां भेजेगी। फिर ताला लगाकर कमरा बंद कर दिया। फिर पीड़ित छात्रा ने अपनी मां को फोन कर बताया कि भाई को बता दें कि मैं किन हालात में फंसी हूं। मुझे यहां से लेकर जाए। वहीं, अनम ने उसका मोबाइल भी छीन लिया था। तब तक पीड़िता की मां ने उसके मुंह बोले भाई को उसके बताए पते पर भेज दिया। लेकिन अनम ने उसे भाई के साथ भेजने से मना कर दिया। फिर भाई सोनू ने गौतम नगर थाने में जाकर मदद मांगी।

गला दबाकर मारने का प्रयास किया

अनम सैयद इतना करने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आई और उसने गला दबाकर मारने का प्रयास किया। इतने में पुलिस आ गई और वह थाने लेकर गई। इसके बाद पुलिस ने सभी प्रकार की जानकारी लेकर उसे भाई के साथ बालाघाट भेज दिया था। इस घटना के बाद पीड़ित छात्रा अभी बालाघाट से तीन अगस्त को परीक्षा देने भोपाल आई और उसने चार अगस्त को महिला थाना पुलिस में अपने ऊपर हुए अत्याचार एवं कन्वर्जन के प्रयास के विरोध में एफआईआर दर्ज कराई है । उसकी शिकायत पर छेड़छाड़, एससी/ एसटी ऐ ट और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया है।

18 सालों में म. प्र. ने गढ़ी विकास की नई गाथा, युवा बन रहे आत्मनिर्भर: सूर्या

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने पत्रकार-वार्ता को किया संबोधित

अभियानों के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाएगा सरकार की जनहितैषी योजनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश का भारतीय जनता युवा मोर्चा लगातार संगठनात्मक कार्यों के साथ सामाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता कर रहा है। युवा मोर्चा केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहता बल्कि सामाजिक, पर्यावरण जैसे अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी तत्पर रहता है। रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, हरा-भरा मध्यप्रदेश अभियान, खेलेगा मध्यप्रदेश, खिलते कमल सहित अन्य अभियानों के माध्यम से मोर्चा ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रत्येक बूथों एवं पंचायतों में युवाओं की समिति गठित करने के साथ संगठन को और गति देने के लिए युवा मोर्चा कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। मोर्चा आगामी समय में विभिन्न आयोजनों, कार्यक्रमों, अभियानों के जरिए सरकार की जनहितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा। इसके लिए दो महीने तक विशेष अभियान चलेगा। इसमें हर कार्यकर्ता की सहभागिता होना चाहिए। यह बात भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कही। पत्रकार-वार्ता में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं मोर्चा के प्रदेश प्रभारी रोहित चहल, प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी अंकित गर्ग मौजूद रहे।

प्रदेशभर में चलेगा सदस्यता अभियान, निलकेगी बाइक रैली

युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का संगठन आदर्श संगठन है। मध्य प्रदेश के संगठन ने देश में अतुलनीय काम किया है, जिसकी चर्चा देशभर में होती है। मध्य प्रदेश युवाओं का प्रदेश है और प्रदेश के यशस्वी मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अतुलनीय कार्य किया है। युवाओं को मु यधारा से जोड़ने के साथ ही मु यमंत्री सीखो, कमाओ जैसी महती योजनाओं के सहारे आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भागीरथी प्रयास किए हैं। मध्य प्रदेश में तीन महीने बाद विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसके निमित्त युवा मोर्चा युवाओं को जोड़ने के लिए अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि 10 से 30 अगस्त तक प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान के माध्यम से युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए कॉलेज, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थालों आदि क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में तिरंगा बाइक यात्रा 13 से 15 अगस्त के बीच निकाली जाएगी और हर मंडल में राष्ट्रवादी चिंतन होगा। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में डोर-टू-डोर गतिविधियों के माध्यम से युवाओं के बीच रिपोर्ट कार्ड एवं तिरंगा झंडा वितरण किए जाएंगे और उन्हें तिरंगा यात्रा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही पंचायत स्तर पर पदयात्रा के माध्यम से युवाओं तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाएगा। श्री सूर्या ने कहा कि सितंबर महीने में राज्य स्तर पर युवा एचीवर्स स मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी प्रदेश भर में 500 युवा अचीवर्स एवं राज्य के प्रभावशाली युवाओं को भोपाल में स मानित करेंगे और उनकी आकांक्षाएं संग्रहित की जाएंगी। साथ ही जिला स्तर पर भी यह आयोजन होंगे, जिसके अंतर्गत जिला स्तर के वरिष्ठ पार्टी नेताओं द्वारा स मानित किया जाएगा। प्रत्येक संभाग में एक युवा टाउन हॉल और प्रदेशभर में 10 युवा टाउन हॉल का आयोजन भी होगा, जिसमें केंद्रीय युवा प्रभावशाली नेता युवाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराएंगे और उन्हें आकांक्षा संग्रह अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे। युवाओं के सुझावों को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। युवाओं के सुझावों को मेनिफेस्टो में शामिल किया जाएगा। मेरी माटी, मेरा देश अभियान 9 अगस्त से शुरू होगा।

विकास कार्यों के बल पर मध्य प्रदेश बीमारू राज्य से बना विकसित प्रदेश

श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर विकसित राज्य में शामिल किया है। आज मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के साथ आत्मनिर्भर प्रदेश के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस देश के अंदर युवाओं को, नौजवानों को अवसर देने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एवं प्रदेश के अंदर मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने किया है। नए भारत में मध्यप्रदेश भी एक युवा प्रदेश है और युवा नीति लाने का महत्वपूर्ण कदम भी भाजपा सरकार ने मु यमंत्री शिवराज सिंह जी के नेतृत्व में पूरा किया है। मध्यप्रदेश निरंतर विकास की गाथाएँ लिख रहा है। प्रदेश में औद्योगिक क्रांति लाई गई। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में औद्योगिक विकास दर 2003 में 0.61 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2023 में 24 प्रतिशत हो गई है। आज मध्यप्रदेश के युवाओं को 2003 से पहले के मध्यप्रदेश और 2003 के बाद आज के मध्यप्रदेश से अवगत होना चाहिए। इसके लिए युवा मोर्चा पूरे प्रदेश में अभियान चलाएगा।

शिक्षा का हब बना मध्य प्रदेश, युवाओं को मिल रही बेहतर शिक्षा

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा कि एक समय था जब युवा अध्ययन के लिए बैंगलोर, हैदराबाद जैसे शहरों की ओर रूख करते थे लेकिन आज युवाओं को मध्य प्रदेश में भी उच्च स्तर की शिक्षा मिल रही है। केन्द्र की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश की मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की डबल इंजन की सरकार के सकारात्मक सोच का प्रतिफल है कि आज मध्य प्रदेश में आईआईटी, ए स, आईआईएम, ट्रिपल आई.टी., एनआईडी, निफ्ट, नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान और 24 आई.टी.आई प्रार भ किए गए। बीते 3 वर्षों में स्कूल शिक्षकों की 40 हजार से अधिक नई भर्तियां की गई। विगत वर्ष में 55 हजार से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती कर युवाओं को नियुक्ति दे दी गई है। मु यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के अंतर्गत अब तक 4.26 लाख विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु लगभग 1200 करोड़ रूपए की शुल्क प्रतिपूर्ति की गई है। मु यमंत्री सीखो कमाओ योजना से युवाओं को कौशल और प्रशिक्षण के साथ-साथ 8 से 10 हज़ार रूपये देने वाला पहला राज्य मध्यप्रदेश है। मध्य प्रदेश की सरकार ने यूथ महापंचायत का आयोजन कर युवा नीति- 2023 लागू की, जिसमें युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने भी युवाओं के सुझाव लेने में अपनी भूमिका निभाई।

अमानक उर्वरकों का क्रय-विक्रय व भंडारण प्रतिबंधित,

सिवनी यशोः- सिवनी में कृषि कार्य तेजी से चल रहा है। जहां किसानों ने बुवाई का काम कर लिया है। वहीं अब खाद व अन्य सामग्री के लिए कृषि सामग्री बेचने वालों से खरीदी की जा रही है। वहीं कुछ स्थानों की शिकायत प्राप्त हुई थी कि उर्वरक की बिक्री में गड़बड़ी की जा रही है और अमानक उर्वरक की बिक्री की जा रही है।

वहीं प्राधिकृत अधिकारी व उपसंचालक कृषि मोरिसनाथ ने गोयल कृषि केन्द्र छपारा से लिए गए एपीएस उर्वरक के नमूने अमानक स्तर पर पाए जाने को लेकर उर्वरक के लाट क्रमांक 4254/ 07/जन. 2023 के क्रय-विक्रय व भण्डारण को उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 26 के तहत प्रतिबंधित कर दिया है।

वहीं एमपी राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित लखनादौन से लिए गए डीएपी निर्माता इंडियन पोटाश लिमि. के लॉट नं. (01) स्न 23 0623 के अमानाक स्तर का पाए जाने पर उर्वरक का क्रय विक्रय व भंडारण प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही किसानों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या हो तो अवगत कराएं।

विधायक कुरई से निकालेंगे आक्रोश पदयात्रा

बरघाट यशः- बरघाट विधायक अर्जुन सिंह काकोडिया द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया कि दिनांक 08.08.2023 से बरघाट विधानसभा के आदिवासी अंचल ब्लॉक कुरई मु यालय से प्रातः 11.00 बजे से सर्वसमाज द्वारा सर्वसमाज आकोश पदयात्रा निकाली जा रही है जो दिनांक 08.08.2023 प्रथम दिन कुरई से प्रारंभ होकर रात्रि सुकतरा पहुंचेगी, यहां पर पदयात्रियों का भोजन व रात्रि विश्राम उपरांत पुनः दिनांक 09.08.2023 की प्रातः 10.00 बजे ग्राम सुकतरा से प्रस्थान कर सिवनी कले टर कार्यालय पहुंचेगी। जहां पर देश एवं प्रदेश व कुरई-बरघाट विधानसभा के ज्वलंत विषयों को लेकर ज्ञापन महामहिम राष्ट्पति एवं महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम से कले टर महोदय को सौंपा जाना है। पदयात्रा का उद्देश्य इस प्रकार हैं -

देश व प्रदेश में लगातार हो रही हिंसा जैसे मणिपुर, मध्यप्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, हरियाणा जैसी घटनाओं पर अंकुश लगे।, देश के समस्त नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हो एवं सभी को आत्मस मान से जीने का हक दिया जाना आवश्यक है।, आदिवासी ब्लॉक कुरई में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सिंचाई की बेहतर व्यवस्था की जाये।, प्रदेश एवं देश में आदिवासी समाज पर हो रहे अमानवीय अत्याचार बंद हो दोषियों पर दण्डात्मक कड़ी कार्यवाही हो। प्रशासन सुनिश्चित करें कि ऐसे जघन्य अपराध की पुनरावृत्ति न हो। इन सभी देश व प्रदेश के ज्वलंत विषयों को लेकर में विधायक अर्जुन सिंह काकोड़िया एवं मेरी विधानसभा के समस्त सर्वसमाज द्वारा कुरई से सिवनी तक पैदल पदयात्रा की जा रही है।

हितग्राहियों के लिए योजनाओं का लाभ लेने E-Kyc कराना अनिवार्य

सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड केवाईसी करवाना अनिवार्य होगा। आधार ईकेवाईसी का कार्य समग्र पोर्टल पर जाकर पूरा किया जा सकता है। ऐसा नहीं करने की स्थिति में हितग्राही योजना के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

भोपाल। अब आधार के बिना उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। वह इस योजना से वंचित हो सकते हैं। वहीं सामाजिक सुरक्षा योजना में हितग्राही द्वारा दिए गए आधार में दर्ज जानकारी ही अब उनके लिए मान्य की जाएगी। इसके लिए सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जिला कले टरों को निर्देश जारी किए गए हैं।

समग्र पोर्टल पर आधार ईकेवाईसी अनिवार्य

मध्य प्रदेश में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार को अनिवार्य कर दिया गया हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना में हितग्राही द्वारा आधार के जरिए अपनी जानकारी दर्ज करनी होगी। विभाग द्वारा सभी जिला कले टरों को निर्देश जारी कर कहा गया कि विभाग के समस्त योजनाओं में समग्र पोर्टल पर आधार ईकेवाईसी को अनिवार्य किया जाए।

केवाईसी कराने की कार्रवाई शुरू

वही पोर्टल पर आधारित ई-केवाईसी कराने की कार्रवाई शुरू हो गई है। हितग्राही सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में समग्र पोर्टल पर जाकर आधार ई-केवाईसी का काम पूरा कर सकते हैं। समग्र पोर्टल पर आधार ई केवाईसी का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं विभाग के सभी योजनाओं में आधार में दर्ज जानकारी जैसे नाम, लिंग, जन्म दिनांक, पता आदि को भी मान्य किया जाएगा। वही जिनके आधार कार्ड योजना से जुड़े रहेंगे। उन्हें ही अब शासकीय योजना का लाभ मिलेगा।

बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिनमें मध्य प्रदेश पशुपालन लोन योजना सहित सीखो कमाओ योजना, कन्या विवाह योजना सहित लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना आदि योजनाएं शामिल है। इसके अलावा मु यमंत्री उद्यम क्रांति योजना आदि का लाभ भी हितग्राहियों को दिया जाता है।

हरियाली महोत्सव : सूर्य मंदिर में हुआ विशेष आयोजन सैकड़ों महिलाएं हुई शामिल

सिवनी यशोः- विगत दिवस 6 अगस्त को श्री सूर्य मंदिर प्रांगण में सूर्य मंदिर महिला समिति एवं समस्त सामाजिक संगठन के साथ मिल कर हरियाली महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उपस्थित पवार समाज व चौरसिया समाज के द्वारा बिंदिया वितरण की गई, स्वर्णकार समाज के माध्यम से मेहंदी कोन का वितरण किया गया। हजारों महिलाओं के इस आयोजन में साहू समाज के माध्यम से गजरे एवं पटवा समाज के माध्यम से भी चूड़ियां प्रदान की है, संस्कृति रक्षा ग्रुप द्वारा डीजे की व्यवस्था की गई। इस भव्य आयोजन के लिये सूर्य मंदिर समिति से पुलाव व जलेबी का स्वल्पाहार महिलाओं को दिया गया। रविवार को पुरातन काल में बने सूर्य मंदिर में हुई हरियाली महोत्सव में नगर के ब्राह्मण समाज,

चौरसिया समाज, स्वर्णकार समाज, पवार समाज, साहू समाज, पटवा समाज, कलचुरी समाज, छत्तीसगढ़ महिला मंडल, मां अंजना दलसागर ग्रुप, श्री सिद्ध शनि धाम ग्रु प, मातृशक्ति संगठन, पतंजलि ग्रुप, गूंज संस्था, श्री राम मंदिर महिला मंडल, पंचमुखी बाल स्वरूप महिला मंडल, सृजन बहुउद्देशीय संस्था महिला मंडल, सूर्य मंदिर समिति, हनुमान मंदिर महिला मंडल, कृष्ण मंदिर महिला मंडल, जगदीश मंदिर महिला मंडल, सिंह वाहिनी मंदिर महिला मंडल, शिव शक्ति महिला मंडल, महाकाल समिति, अवधिया महिला मंडल, राष्ट्र सेविका समिति, साई मंदिर महिला मंडल, नारायण समिति, गायत्री मंदिर महिला मंडल, ब्रह्माकुमारी की बहने, छत्तीसगढ़ महिला मंडल डूंडा सिवनी, महिला मंडल भैरोगंज, उड़ान महिला संगठन की महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान श्रीमती नीलू राय द्वारा सूर्य मंदिर महिला एवं शनि मन्दिर महिला समिति को रामायण मंडली के लिये ढोलक मंजीरे व अन्य सामग्री दी गई। सूर्यास्त के पश्चात सभी समाज की महिला समिति एवं पूर्व सांसद पूर्व विधायक श्रीमती नीता पटेरिया एवं श्रीमती नीलू राय द्वारा भगवान सूर्य देव की आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। हरियाली तीज के आयोजन का संचालन श्रीमती श्वेता मिश्रा एवं सुश्री लक्ष्मी नागोत्रा द्वारा किया गया। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीमती आराधना चौरसिया द्वारा आयोजन के लिए सभी समाज की महिला समिति युवा समिति और सभी सहयोगी का आभार व्यक्त किया गया।

विकसित राष्ट्र की ओर कदम बढ़ा रहा है भारत - प्रधानमंत्री मोदी

1000 करोड़ से मध्यप्रदेश में होगा 34 रेलवे स्टेशनों का विकास
गत 9 वर्षों में रेलवे नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार
हर नागरिक के लिये सुलभ और सुखद यात्रा के साथ ही रेलवे स्टेशन पर अच्छा अनुभव
रेलवे स्टेशन बन रहे हैं शहर और राज्यों की पहचान
भारतीय रेल में विकास को र तार देने की अपार संभावनाएँ
वर्ष 2030 तक जीरो एमिशन पर चलेगी भारतीय रेल
अगस्त कई दृष्टियों से विशेष माह
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों शिलान्यास समारोह में वी.सी. द्वारा संबोधन दिया
मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा से कार्यक्रम में शामिल हुए

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आजादी के अमृत काल के प्रारंभ में ही भारत विकसित राष्ट्र होने की दिशा में नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नये संकल्प के साथ तेजी से कदम बढ़ा रहा है। भारतीय रेलवे के इतिहास में आज एक नये अध्याय की शुरूआज हो रही है, जब 25 हजार करोड़ रूपये की लागत से भारत के 508 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकता के साथ विकास और पुनर्निमाण कार्य प्रारंभ हो रहा है। ÷अमृत भारत रेलवे स्टेशनों योजना÷ में देश के 1300 स्टेशनों का विकास किया जाएगा। इस उपलब्धि के लिये मैं रेलवे मंत्रालय की सराहना करता हूँ और सभी देशवासियों को बधाई देता हूँ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज अमृत भारत रेलवे स्टेशनों योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के विदिशा सहित देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्निमाण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन दे रहे थे। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस योजना में भारत के सभी राज्य लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश में 1000 करोड़ रूपये की लागत से 34 रेलवे स्टेशनों का विकास और पुनर्निमाण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में 4500 करोड़ रूपये की लागत से 55 रेलवे स्टेशनों का और महाराष्ट्र में 1500 करोड़ रूपये की लागत से 44 रेलवे स्टेशनों का विकास होगा। राजस्थान में 55 रेलवे स्टेशनों काविकास होगा। तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और उत्तर पूर्व के राज्यों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गत 9 वर्षों में भारतीय रेलवे के नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। इस दौरान भारत में साउथ अफ्रीका, यूक्रेन, पॉलेंड, यूके, स्वीडन में जितना रेलवे नेटवर्क है, उससे अधिक नेटवर्क बिछाया गया। भारत में आधुनिक ट्रेन सं या भी तेजी से बढ़ रही है। आज भारतीय रेल विकास का प्रतीक बन गई है। भारत ने विश्व की चुनौतियों का स्थाई हल निकाला है। दुनिया भर में भारत की साख बढ़ी है। दुनिया का भारत के प्रति रवैया बदला है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि रेल में हर नागरिक के लिये सुलभ और सुखद यात्रा के साथ ही उसे रेलवे स्टेशन पर अच्छा अनुभव मिले, इसके लिये सभी प्रयास किये जा रहे हैं। हर रेलवे स्टेशन पर अच्छी बैठक व्यवस्था, वेटिंग रूम, मु त वाईफाई आदि सुविधाएँ दिलाई जा रही हैं। भारतीय रेल, भारत की लाइफलाइन के साथ ही अब हमारे शहरों की पहचान भी बन रही है। रेलवे स्टेशन अब %हार्ट ऑफ दि सिटी% बन रहे हैं। रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण से विकास को लेकर नया माहौल बनेगा, पर्यटन बढ़ेगा और आर्थिक गतिविधियाँ तेज होंगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि %वन स्टेशन वन प्रोडे ट% योजना से हमारे रेलवे स्टेशन अब शहर और राज्यों की पहचान बन रहे हैं। स्टेशनों पर स्थानीय विरासत और संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। यह आधुनिक आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ ही ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक भी बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारतीय रेल में विकास को र तार देने की अपार संभावनाएँ हैं। यह विकास को नये अवसर दे रही है और युवा विकास को नये पंख लगा रहे हैं। गत दिनों डेढ़ लाख युवकों को रेलवे ने पक्की नौकरी दी। भारतीय रेल का आज ढाई लाख करोड़ से अधिक का बजट हो गया है, जो वर्ष 2014 की तुलना में 5 गुना अधिक है। लोकोमोटिव के उत्पादन में 9 गुना वृद्धि हुई है और 13 गुना अधिक एचसीपी कोच बन रहे हैं। नॉर्थ-ईस्ट में रेलवे का विस्तार हो रहा है और शीघ्र की वहाँ की सारी राजधानियाँ इससे जुड़ जाएगी। माल-गाड़ियों के लिये %डेडिकेटेड कॉरिडोर% बना है। माल वाहन में कम समय लगने से किसानों को सर्वाधिक फायदा हो रहा है। तेज यातायात से विश्व बाजार में हमारे उत्पाद तेजी से बिक रहे हैं। वर्ष 2014 से पहले भोपाल में रेलवे ब्रिज 6000 से भी कम थे, आज 10000 से ज्यादा हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारतीय रेल %नैट जीरो एमिशन% पर चलेगी। जल्द ही शत-प्रतिशत रेलवे लाइन्स का विद्युतीकरण हो जाएगा। भारतीय रेल आधुनिकता के साथ पर्यावरण फ्रेंडली भी है। बीते 9 वर्षों में भारत के 1200 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर सोलर पैनल से बिजली व्यवस्था हुई है, 70 हजार एलईडी लाइट्स लगी हैं और बायो टॉयलेट्स में 28 गुना वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अगस्त कई दृष्टियों से विशेष माह है। यह क्रांति, कृतज्ञता और कर्तव्य का महीना है। 7 अगस्त स्वदेशी आंदोलन का दिन है, इस दिन हम वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें। स्थानीय उत्पादों को महत्व दें। गणेश चर्तुथी पर पर्यावरण फ्रेंडली मूर्तियों की स्थापना करें। 9 अगस्त क्विट इंडिया डे है, इस दिन हम ÷बुराई, भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण भारत छोड़े÷ यह संकल्प लें। 14 अगस्त विभाजन की विभीषिका का दिन है, इस दिन हम उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करें, जिन्होंने कष्ट सहे। 15 अगस्त राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता का दिन है, हर घर तिरंगा फहरायें। हर दिन, हर मन, हर मकान, हर सपना, हर संकल्प तिरंगा हो।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत के नागरिकों द्वारा चुकाए गए टे स की एक-एक पाई राष्ट्र के निर्माण में उपयोग की जा रही है। देश में निरंतर टे स पेयर्स की सं या बढ़ रही है, गत दिनों यह 16 प्रतिशत बढ़ी है। मोदी की गारंटी है कि 7 लाख रूपये की आय तक अब इनकम टे स नहीं लिया जाएगा। जनता का विकास के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। रेलवे का कायाकल्प, मेट्रो विस्तार, ऐ सप्रेस-वे, एयरपोर्टस, अस्पताल, स्कूल आदि विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। यह सब बच्चों के अच्छे भविष्य की गारंटी है। नये भारत का निर्माण हो रहा है। हम सब यह संकल्प लें कि अपने नागरिक के दायित्व का भी पालन करेंगे।

मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को देश और प्रदेश में विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकसित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा है कि केंद्र और मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार मध्यप्रदेश में विकास और समाज के सभी वर्गो के कल्याण के कार्यों से प्रदेश को विकसित बनाएगी। आज देश और प्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली,प्रगतिशाली, समृद्धशाली और आत्मनिर्भर बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व स्तर के अनेक कार्यक्रमों का नेतृत्व कर रहे हैं और दुनिया श्री मोदी और भारत का लोहा मान रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा आज प्रदेश के 34 स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास प्रदेश को समृद्ध और अधोसंरचनात्मक नया स्वरूप देगा। विदिशा के स्टेशन का 28 करोड़ रूपये से कायाकल्प होगा। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार और सरकार में फर्क होता है। वर्ष 2014 में जहा मध्यप्रदेश के लिए रेल का बजट मात्र 632 करोड़ होता था, उसे प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लगभग 21 गुना यानी 13 हजार 607 करोड़ रूपए किया गया है। डबल इंजन की सरकार में प्रदेश का सड़क, हवाई और रेल यातायात बेहतर हुआ है। विदिशा में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, अधोसंरचना के ऐतिहासिक कार्य हुए है। मु यमंत्री ने आमजनों को आश्वस्त किया कि उनकी सरकार प्रदेश के विकास, निर्माण और समाज कल्याण के कार्यों से प्रदेश को विकसित बनाएगी। उन्होंने विकसित मध्यप्रदेश के लिए आमजनों से सहभागिता की अपील की।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वी.सी. के माध्यम से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने जल, वायु, सड़क और रेल के अधोसंरचना विकास में शानदार काम किया है। आज रेलवे का बजट लगभग ढाई लाख करोड़ रूपए हो गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1300 स्टेशनों का कायाकल्प होना है और वर्तमान में 25000 करोड़ रुपए की राशि से देश के 508 रेलवे स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाओं के विकास के लिए निर्माण कार्य किए जाएंगे। उन्होंने आज के दिन को ऐतिहासिक दिन बताते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व का आभार माना और देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम को सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने भी संबोधित किया। रेलवे बोर्ड के अपर महा प्रबंधक श्री रविशंकर से सेना ने स्वागत भाषण दिया। लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, पूर्व वित्त मंत्री श्री राघव जी, विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, अपर महाप्रबंधक रेलवे श्री रविशंकर से सेना, डी.आर.एम. श्री देवाशीष त्रिपाठी, जन-प्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

4 किलों 600 ग्राम गांजा पकड़ाया

मंडला यशोः- पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देश पर जिले भर में अपराधियों के विरूद्ध ताबड़ तोड़ कार्य वाही हो रही है इसकी जन मानस में अच्छी प्रति क्रिया भी देखने को मिल रही है। रविवार को मुखबिर तंत्र की सूचना पर नैनपुर पुलिस ने प्रभावी कार्य वाही करते हुए गांजा बेचने वाले एक पुरूष और एक महिला को पकड़ने में सफलता हासिल की। थाना प्रभारी बाल्मिकी चौबे ने बताया की मुखबिर से सूचना मिल रही थी की नगर के अंदर गांजा बेचा जा रहा है जिस पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था जिस पर सफलता मिली त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ लोगो को राउंड अप किया गया जिन के पास से गांजा जब्त किया गया आपरेशने लीन स्वीप के तहत आरोपी में दो लोगो की गिर तारी की गई है जिस में एक पुरुष एक महिला शामिल है।।।4.650 किलो ग्राम मादक पदार्थ कुल कीमत 46500 बताई गई है।।जिस पर अपराध क्रमाक 295।2023 धारा 8।20 एनडीपीएस ऐ ट के तहत प्रभावी कार्य वाही हुई है।।।एसडीओपी नैनपुर श्रीमति अमृता दिवाकर जी के निर्देशन में थाना प्रभारी श्री बाल्मिकी चौबे और टीम सब इंस्पे टर साबिर खान,महिला सब इंस्पे टर निधि नेमा, ए एस आई मुकेश चौधरी, ए एस आई शिव शंकर राजपूत,प्रधान आरक्षक शेख समद,प्यार सिंह कुशराम,सुरेश तराम,आरक्षक नवीन,भाव प्रकाश, दुर्गेश,अक्षय,राजेंद,महिला आरक्षक रीता और माया का सराहनीय प्रयास रहा

कृषक फसल बीमा की अंतिम तिथि 16 अगस्त

सिवनी यशोः- उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ-2023 में ऋणी /अऋणी कृषकों का प्रीमियम नामे कर बीमा करने की समयावधि बढाकर 16 अगस्त 2023 कर दी गई है। इच्छुक कृषक उक्त तिथि के पूर्व अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा करवा सकते हैं। योजना सभी कृषकों हेतु स्वैच्छिक की गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषकों की फसलों का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा। अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा बैंकों के माध्यम से करवा सकते हैं। अऋणी कृषक हेतु आवश्यक दस्तावेज हैं- 1. फसल बीमा प्रस्ताव फार्म, 2. आधार कार्ड 3. पहचान पत्र 4. भू-अधिकार पुस्तिका 5. बुआई प्रमाण पत्र, पटवारी या ग्राम पंचायत सचिव द्वारा जारी।

भारत सरकार द्वारा खरीफ 2023 से सभी कृषकों हेतु योजना को स्वैच्छिक किया गया है। जो कृषक अपनी फसलों का बीमा नहीं करवाना चाहते हों, वे बीमांकन की अंतिम तिथि से 07 दिवस पूर्व संबंधित बैंक में लिखित आवेदन कर निर्धारित प्रपत्र में भरकर योजना से बाहर जा सकते हैं।

उमंग सिंघार की मांग एवं आचार्य प्रमोद के ट्विट से कांग्रेस परेशान

आदिवासी मु यमंत्री की मांग से कांग्रेस में खलबली

धीरेन्द्र शास्त्री के छिंदवाड़ा कार्यक्रम पर आचार्य प्रमोद का ट्विट कांग्रेस के गले की फांस बना

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश में कुछ माह बाद चुनाव होने वाले है कांग्रेस जीत के प्रति इतनी अधिक आशांवित है कि वहाँ मु यमंत्री पद के लिये सिरफुटव्वल प्रारंभ हो गयी है। कांग्रेस के केन्द्रीय केन्द्रीय नेतृत्व से लगभग यह तय हो चुका है कि मध्यप्रदेश में विधानसभा 2023 चुनाव के लिये कांग्रेस की ओर से मु यमंत्री का चेहरा कमलनाथ रहेंगे। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी मध्यप्रदेशा में अपनी रैलियों के दौरान यह संकेत भी दे रही है कि प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस की ओर से मु यमंत्री पद के चेहरा कमलनाथ रहेंगे परंतु कांग्रेस के आदिवासी नेता उमंग सिंघार इस बात से सहमत नहीं है और वे प्रदेश में आदिवासी मु यमंत्री की मांग कर रहे है। उनकी इस मांग से कांग्रेस की चूले हिलने लगी है।

कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे उमंग सिंघार ने रविवार को कहा कि राज्य का मु यमंत्री आदिवासी समाज से बनना चाहिए। उन्होंने आदिवासियों से कहा कि जब तक प्रदेश का मु यमंत्री आदिवासी नहीं बनेगा, तब तक चैन से घर नहीं बैठना। कमलनाथ सरकार के समय मंत्री रहे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह से के साथ उनका विवाद काफी चर्चा में रहा है। सिंघार को हाल में गठित चुनावी समितियों से दूर रखा गया है।

कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने यह भी कहा कि मैं आदिवासियों की बात करता हूँ उनके अधिकारों की बात करता हूँ तो कांग्रेस के नेताओं को मिर्ची लगती है और इसी कारण नेताओं से मेरी बन नहीं पाती और उनका चहेता नहीं हूँ परंतु मैं आदिवासियों का प्रिय हूँ।

उमंग सिंघार की इस मांग से राजनीति में उबाल आ गया है। कांग्रेस विधानसभा चुनाव में जीतने की रणनीति बना रही है वहीं उमंग सिंघार जैसे नेता कांग्रेस की राह में रोड़ा बन रहे है कांग्रेस उमंग सिंघार के इस बयान से विचलित हो गयी है।

वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता आचार्य प्रमोद ने भी कमलनाथ के द्वारा छिंदवाड़ा में पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर टिप्पणी कर कांग्रेस को मुश्किल में डालने का काम किया है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट कर कमलनाथ को कोसने का काम किया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा- आसाराम बापू भी प्लेन से ही छिंदवाड़ा गए थे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने लिखा -मुसलमानों के ऊपर बुलडोजर चढ़ाने और आरएसएस का एजेंडा हिंदू राष्ट्र की खुल्लम-खुल्ला वकालत करके संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले बीजेपी के स्टार प्रचारक की आरती उतारना कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को शोभा नहीं देता है।

विधानसभा चुनाव के पहले ही कांग्रेस के सामने अपने ही नेताओं से इतनी मुश्किल है तो आने वाले समय में ` या हाल होंगे कांग्रेस को इसका सहज अंदाज लगा लेना चाहिये। कांग्रेस भाजपा के तीखे सवालों का जबाव तो दे सकती है परंतु कांग्रेस के नेताओ द्वारा चुनाव के उठाये जा रहे सवालो का जबाव कैसे देगी यह कांग्रेस के लिये चुनौती होगी।

सिहोरा ग्राम पंचायत के सरपंच व उपसरपंच ने सचिव पर लगाए लापरवाही के आरोप

सिवनी यशोः- सिवनी जिले की सिहोरा ग्राम पंचायत की सरपंच एवं उपसरपंच ने ग्राम पंचायत सचिव पर आरोप लगाये है। सचिव कार्यो में लापरवाही बरतता है। जिसकी शिकायत लेकर सिवनी पहुँचे। जहाँ जिला पंचायत के मु य कार्य पालन अधिकारी से कार्यवाही की मांग की है। शिकायत में उल्लेख है के ग्राम पंचायत सिहोरा में सचिव हीरालाल मर्राकोले करीब नो-दस वर्षो से पदस्थ है।

जो अपने कार्य के प्रति घोर लापरवाही कर रहे है। सचिव से जनप्रतिनिधियों के अमर्यादित व्यवहार करता है। यह भी आरोप लगाया कि सचिव ने ग्राम पंचायत सिहोरा में कॉ प्ले स की लगभग 30 दुकानों पर कब्जा करवा दिया है और उसकी व्यक्तिगत वसूली कर बगैर नीलामी व बिक्री के अपने हितबद्ध लोगों को कब्जा करवा दिया है और न ही किराया लिया जा रहा है।

रेबीज एक अनजाना खतरा : पशु चिकित्सक ने जारी की एडवाइजरी

छपारा यशोः- बरसात के मौसम में सक्रिय होने वाला संक्रामक रोग है रेबीज जो पशुओं के काटने से मनुष्य में फैलता है विशेष तौर पर श्वान के काटने से मनुष्यो में रेबीज का संक्रमण होता है। इस विषय को लेकर पशु चिकित्सक डॉ टर एस के गौतम ने लोगों को जागरूक करने को उद्देश्य से जानकारी दी है, उन्होंने बताया कि

रेबीज एक वायरस जनित बीमारी है जो रेबीज से ग्रसित जानवर के किसी भी पशु या मानव जाति को काटने से फैलती है। रेबीज का पूरा नाम है **rabies =rabid animal biting induced encephalomyelitis syndrome.** अर्थात यह बीमारी रेबीज से ग्रसित पशु के दूसरे पशु को काटने के कारण होती है। प्रति वर्ष भारत मे करीब 72 हजार मौते इस बीमारी से हो जाती है। इसके साथ ही ऐसे लोग जिन्होंने अपने घर में कुत्ते पाले है उन्हें भी अपने कुत्ते को प्रतिवर्ष एंटी रेबिस टीका लगवाना सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही यह भी देखने में आया है कि लोग अपने कुत्ते को बच्चो के खेलने के मैदान में छोड़ देते है,तब कुत्ते बच्चो पर अटेक कर देते है हाल ही में छपारा नगर की एक घटना प्रकाश में आई जिसमे नगर के खेरमाई मंदिर के पास खेल रहे राजा नाम के बच्चे को कुत्ते ने बुरी तरह नोच लिया। ऐसे मामलो में कुत्ते के मालिक पर एफ. आई.आर. दर्ज करवाई जा सकती है, अत- वह सभी लोग जिन्होंने अपने घरों में कुत्ते पाले है वे अपने पशु को सार्वजानिक स्थान पर खुला न छोड़े अन्यथा उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वही देखा गया की मानव जाति के मुकाबले रैबीज से संक्रमित होकर मरने वाले पशुओं की मृत्यु सं या का रेकॉर्ड नही रखा जाता, इसी वजह से यह सं या अप्राप्त है, किंतु

मौते पशुओ में भी देखी जाती है। मेरे द्वारा भ्रमण के दौरान देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रो में खासकर जंगल से लगे इलाको में पशुओ में खासकर गाय और भैंसों में रेबीज जैसे लक्षण देखे जा रहे है। इस साल भी ग्राम पायली खुर्द से लेकर उमरिया ग्राम और वंहा से कुकलाह तक के बहुत से जानवरो को एक पागल कुत्ते ने काट लिया था साथ ही अलोनिया ग्राम के दो व्यक्ति जो इस पागल कुत्ते के शिकार हुए वह सिवनी के जिला अस्पताल में भर्ती हैं।

इसी वजह से ऐसी स्थिति होने पर सभी को टीका लगवाने की सलाह दी जाती है। साथ ही इस स बंध में सभी लोगो को सलाह दी जाती है कि अपने पालतू कुत्तो और बिल्लियों को प्रति वर्ष रेबीज का टीका अवश्य लगवाए एवम

जो लोग जंगलो के किनारे अपने पशुओ को चराने लेकर जाते है उन्हें विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत है। हो सकता है कोई जंगली जानवर सियार या भेड़िया आपके पशु को काट ले और आपको पता ही नही चले। इस स्थिति में किसान को तब पता चलता है जब पशु में रेबीज के लक्षण उत्पन्न हो जाते है। चुकी यह बीमारी लाइलाज है अतः एक बार रेबीज के लक्षण आ जाने के बाद उपचार संभव ही नही है। रेबीज के मु य लक्षण है जानवर के स्वभाव मे अचानक परिवर्तन आना उसका अपने मालिक के इशारे नही मानना। हमला करना, हर चीज को काटने की कोशिश करना। बहुत सारी लार टपकाना। अगर आपके पशु में ऐसे लक्षण दिखे तो समझना चाहिए कि उसे रेबीज भी हो सकता है। चुकी जानवर अपने को किसी पागल कुत्ते या अन्य पशु द्वारा काटा जाना बता नही सकते अतः जंगल के नजदीक पशु चराने लेकर जाने वाले पशु पालकों को नियमित रूप से शाम को अपने पशुओ की जांच करनी चाहिए कि कंही उसे किसी हिंसक जीव ने तो नही काटा है या पशु के शरीर पर दांतो के निशान तो नही है। ऐसे निशान देखने पर तुरंत निकट के पशु औषधालय या चिकित्सालय में संपर्क करें।ताकि उस पशु को सुरक्षा के लिए रेबीज का टिका लगवाया जा सके।

जंगलो के नजदीक चरने वाले पशुओ में सियार या लोमड़ी या ऐसे अन्य जीव जो रेबीज फैला सकते है से भिड़ंत की ज्यादा संभावना होती है। चुकी रेबीज का इलाज सिर्फ टीकाकरण है अतः पशुओ में दांतो के काटे जाने का निशान दिखने पर तुरन्त रेबीज का टीका लगवाए। ऐसा करके आप अपने पशु को अकाल मृत्यु से बचा सकते है और स्वयं आर्थिक हानि से बच सकते है।

स्कूल कालेजों में बताया जाए अपराधियों के बर्बाद जीवन का सच

सिवनी यशोः- आजकल चोरी, डकैती, जालसाजी, हत्या और दुष्कर्म आदि की घटनाएं बड़ी सं या में घट रही हैं। ऐसा लगता है कि अपराधियों को पुलिस और कानून का कोई डर नहीं है। इन घटनाओं में अंकुश लगाने के लिए स्कूल कालेजों में अपराधियों के जीवन की बर्बादी की कहानी का सच बताया जाए।

उक्ताशय के विचार व्यक्त करते हुए रविदास शिक्षा मिशन के अध्यक्ष रघुवीर अहरवाल ने बताया कि आम जनता के सामने केवल अपराधियों के काले कारनामों की जानकारी प्रस्तुत की जाती है। स्कूल कालेजों में अपराधियों से बचने के तरीके बताए जाते हैं। इसके साथ ही अपराधियों के बर्बाद जीवन की कहानी भी बताई जानी चाहिए। किस प्रकार चोरी, डकैती, दुष्कर्म आदि करते रंगे हाथों पकड़े जाने पर अपराधी को जनता बुरी तरह पीटती है। अपराधियों से वारदात की सही जानकारी प्राप्त करने के लिए पुलिस भी कभी-कभी थर्ड डिग्री का प्रयोग करती है। इससे अपराधियों को भयानक तकलीफ होती है। कभी-कभी पुलिस द्वारा अपराधियों का एनकाउंटर भी कर दिया जाता है। पुलिस द्वारा गिर तार करने के बाद अपराधियों को बचाने या जमानत दिलाने के लिए परिजनो को आर्थिक और मानसिक रुप से परेशान होना पड़ता है।

रविदास शिक्षा मिशन के अध्यक्ष रघुवीर अहरवाल ने आगे बताया कि आरोपी को सजा हो जाने के बाद उसके परिवार का जीवन भी बर्बाद हो जाता है। पत्नी और बच्चों का जीवन नर्क हो जाता है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई खत्म हो जाती है या बहुत कठिन हो जाती है। समाज, गांव और बस्ती में उस परिवार को बदनामी और शर्मनाक स्थिति से गुजरना पड़ता है। विवाह योग्य होने पर खासकर लड़कियों को अच्छे रिश्ते नहीं मिलते।

श्री अहरवाल ने पुलिस प्रशासन से अपील किया है कि स्कूल कालेजों में अपराधियों के बर्बाद जीवन और उनके परिजनों की दर्दनाक कहानी को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने पर लालच या गुस्से में अपराध की तरफ बढ़ रहे युवाओं के कदम रोकने में सहायता मिलेगी।

शासकीय हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

मंडला यशोः- प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने, बच्चों में पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने तथा पुस्तकालय का सदुपयोग करने की दृष्टि से समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में पदस्थ पुस्तकालय अध्यक्ष पुस्तकालय प्रभारी शिक्षकों को ''पुस्तकालय के विविध आयाम तथा उनका उपयोग'' विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस हेतु जिले से दो पुस्तकालय प्रभारी शिक्षकों को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल में मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिनके द्वारा जिले के समस्त शासकीय हाईस्कूल/हायरसेकेंडरी विद्यालय के 1-1 पुस्तकालयाध्यक्ष/पुस्तकालय प्रभारी शिक्षक को प्रथम बैच 3 से

6 अगस्त 2023 एवं द्वितीय बैच 7 से 10 अगस्त् 2023 में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण का प्रारंभ एपीसी मुकेश पांडे कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी/डीपीसी समग्र शिक्षा (सेके.एजु.) जिला मण्डला एवं प्रशिक्षण सहायक नोडल जयलक्ष्मी सोनी प्राचार्य शासकीय रानी अवंती बाई कन्या उमावि मंडला की अध्यक्षता में किया गया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को दो समूहों में बांटकर पुस्तकालय के नियम, ऐ सेशन रजिस्टर की प्रविष्टी करना एवं स्प्रेडशीट तैयार कर उसे गूगल ड्राईव में सेव करना, पुस्तकालय के लिए विद्यालय की लाईब्रेरी की ई-मेल बनाना, एनईपी 20-20 और पुस्तकालय की भूमिका बताई गई। साथ ही ` यू.आर. कोड एवं बार कोड तैयार कर पुस्कालय को क प्यूटराईज कर एवं ई-लाइब्रेरी मे विकसित करने का अ यास कराया। इसके पश्चात पुस्तकालय में पुस्तकों का इसू रिर्टन रजिस्टार फोरमेट देकर अ यास कराया गया। पुस्तकालय स्टॉक वैरिफिकेशन, बुक राईट ऑफ, पुस्तिका सेलविंग करने के नियम समझाए गए। सहायक संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी/डीपीसी समग्र शिक्षा (सेके.एजु.) जिला मण्डाला के द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर प्रशिक्षण का समापन किया गया।

'जिले में हुआ सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान का शुभारंभ''

सिवनी यशोः-भारत शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रदेश में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम सदृढ़ीकरण एवं मीजल्स एवं रूबेला वै सीन की डोज से छूटे हुए 5 वर्ष तक बच्चो को टीकाकृत किये जाने हेतु सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान के तीन चरण (7 से 12 अगस्त, 11 से 16 सित बर एवं 9 से 14 अे टूबर 2023) आयोजित किए जाने है। जिसका प्रथम चरण दिनांक 07 अगस्त 2023 से प्रारंभ किया गया। अभियान का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष शफीक खान द्वारा अकबर वार्ड बबरिया स्कूल मे संचालित आंगनबाड़ी मे किया गया जहां आंगनवाड़ी के उपस्थित 0 से 5 वर्ष के बच्चो को टीकाकृत किया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती मालती पाण्डे एवं भाजपा पदाधिकारी

अजय बाबा पाण्डेय उपस्थित रहे।

जिले में अभियान के सफल संचालन हेतु कले टर क्षितिज सिंघल द्वारा डे त कार्यक्रम स्थल का औचक निरीक्षण किया गया तथा अभियान की तैयारियों का अवलोकन कर समस्त अधकारियों/कर्मचारियों को अभियान को सफल बनाने हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए। साथ ही अभियान अंतर्गत टीकाकरण से वंचित 0-5 वर्ष की आयु तक के बच्चो तथा गर्भवती महिलाओं को हेडकाउंट सर्वे उपरांत ड्यूलिस्ट अनुसार चिन्हांकित कर पूर्ण टीकाकृत करने, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर सूचीकरण करने, शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों की सटीक सूक्?म कार्ययोजना बनाने, मोबाईल टीम का गठन, सुपरविजन मॉनिटरिंग, सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

जिला सहायक कार्यक्रम प्रबंधक (अरबन) संजय मानेश्वर द्वारा बताया गया कि सघन मिशन इन्द्र धनुष 5.0 टीकाकरण अभियान को सफल बनाने हेतु स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के आपसी समन्वय से सिटी टास्क फोर्स का गठन कर शहर के प्रत्येक वार्ड, स्लम बस्ती में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में 0 से 5 साल के बच्चों व गर्भवती महिलाओं का सर्वे कर टीकाकृत किया जाएगा। अभियान के दौरान मु ?य रूप से पहुंचविहीन क्षेत्र, हाईरिस्क क्षेत्र, रि ?त उप स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी वार्ड, लगातार तीन माह से किसी कारणवश टीकाकरण नहीं किया जाने वाला क्षेत्र, कर्म पूर्ण टीकाकरण वाले क्षेत्र इत्?यादि क्षेत्रों को विशेषरूप से कार्ययोजना में शामिल किया गया है।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2 डॉ. राजकुमार धुर्वे, जिला शहरी नोडल अधिकारी डॉ. वंदना कमलेश, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश डहेरिया, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक संजय मानेश?वर, डीसीएम संदीप श्रीवास, आरआईडीएम धीरज पाल, व्हीसीसीएम दुर्गेश झाड़े, कंसल्टेंट संदीप सोनकेशरिया, एलडीएमआईएस धनीराम ब्रोकर, आदेश मालवीय तथा आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर विधायक को दिया गया ज्ञापन

बरघाट यशोः- पेंशन बहाली राष्ट्रीय आन्दोलन मध्यप्रदेश भारत के आह्वान पर विधानसभा क्षेत्र बरघाट /कुरई के पेंशन विहीन कार्मिक संघटन ने क्षेत्रीय विधायक माननीय अर्जुनसिंह काकोडिया के निवास स्थल पर पहुंचकर घंटी बजाकर अपनी प्रमुख मांग ÷प्रथम नियुक्ति दिनाँक से वरिष्ठता सह पुरानी पेंशन बहाली÷ को लेकर मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन विधायक के निज सहायक राकेश सैयाम नवीन नागभिरे के माध्यम से सौपा गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष परसराम देशमुख अध्यक्ष संतोष पारधी, कोषाध्यक्ष चंद्रकुमार बघेल, सुरेंद्र गौतम, युगल किशोर भगत, गौतम सिंह सिरसाम, सुधीर वासनिक, घनश्याम भगत सहित अनेकों कार्मिक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297